ताश मिल खेलो सांवरिया भजन लिरिक्स

ताश मिल खेलो सांवरिया,
जय श्री राधे वल्ल्भ श्याम,
ताश मिल खेलो साँवरिया।bd।

जिसमे बादशाह बनवारी,
जिसमे बेगम राधा प्यारी,
जिसमे दूलो है गिरधारी,
ताश खेलो सांवरिया,
जय श्री राधे वल्ल्भ श्याम,
ताश मिल खेलो साँवरिया।bd।

जिसमे दस्सी दसो दिशाए,
जिसमे नोकी नवदुर्गा है,
जिसमे अट्ठी अष्टकमल है,
ताश खेलो सांवरिया,
जय श्री राधे वल्ल्भ श्याम,
ताश मिल खेलो साँवरिया।bd।

जिसमे सत्ती सप्तऋषि है,
जिसमे छग्गी छह ऋतुएँ है,
जिसमे पंची पञ्चतत्व है,
ताश खेलो सांवरिया,
जय श्री राधे वल्ल्भ श्याम,
ताश मिल खेलो साँवरिया।bd।

जिसमे चौकी चार वेद है,
जिसमे तिग्गी तीन लोक है,
जिसमे दुग्गी चाँद सूरज है,
ताश खेलो सांवरिया,
जय श्री राधे वल्ल्भ श्याम,
ताश मिल खेलो साँवरिया।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जिसमे इक्का इक संसार,
कर लो नारायण से प्यार,
यही है इस दुनिया का सार,
ताश मिल खेलो सांवरिया,
जय श्री राधे वल्ल्भ श्याम,
ताश मिल खेलो साँवरिया।bd।

जय श्री राधे वल्ल्भ श्याम,
ताश मिल खेलो साँवरिया।bd।

स्वर – नम्रता जी करवा।
प्रेषक – राकेश कुमार लढ़ा।
8368356371

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com